1. आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2021–22 :–

(1) प्रशासन एवं क्षमता विकास :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
सामान्य अधिष्ठान,	प्रशासन, क्षमता विकास एवं लीसा विदोहन	4882606	–	विभाग में स्वीकृत पदो के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रषासनिक व्यय	विभाग में स्वीकृत पदो के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रषासनिक व्यय	विभाग में स्वीकृत पदो के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रषासनिक व्यय	वेतन भत्तों का भुगतान	31–3–2022
वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति		11						
लीसा		354625	–	लीसा उत्पादन – 90,246 कुन्तल	लीसा उत्पादन – 79,197 कुन्तल	लीसा उत्पादन – 1,00,000 कुन्तल	लीसा उत्पादन	
उत्तराखण्ड बांस एवं रेशा विकास परिषद		7500	–	बांस एवं रेशा विकास परिषद के प्रषासनिक व्यय	बांस एवं रेशा विकास परिशद के प्रषासनिक व्यय	बांस एवं रेशा विकास परिशद के प्रषासनिक व्यय	बांस एवं रेशा विकास परिशद के प्रषासनिक व्यय	
अधिकारियों और कर्मचारियों का मानव संसाधन विकास		8951	–	प्रशिक्षण केन्द्रो का रखरखाव –03 स0, प्रशासनिक व्यय– ल0स0 पुस्तको का क्रय – ल0स0	प्रशिक्षण केन्द्रो का रखरखाव –03 स0, प्रषासनिक व्यय– ल0स0 पुस्तको का क्रय – ल0स0	प्रषिक्षण केन्द्रो का रखरखाव –03 स0, प्रषासनिक व्यय– ल0स0 पुस्तको का क्रय – ल0स0	अधिकारियों, कर्मचारियों का मानव संसाधन विकास	
कार्य योजना का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य		10616		कार्य योजना का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य पर होने वाले व्यय हेतु	कार्य योजना का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य पर होने वाले व्यय हेतु	कार्य योजना का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य पर होने वाले व्यय हेतु	कार्य योजनाओं का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य	31–3–2022
उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिशद		3259		उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद के प्रशासनिक व्यय हेतु	उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद के प्रशासनिक व्यय हेतु	उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद के प्रशासनिक व्यय हेतु	प्रशासनिक व्यय	31–3–2022
उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिशद		11		उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिशद के प्रशासनिक व्यय हेतु	उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिशद के प्रशासनिक व्यय हेतु	उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिशद के प्रशासनिक व्यय हेतु	प्रशासनिक व्यय	31–3–2022
	योग	5267579	–					

(2) वनीकरण एवं संरक्षण :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
बांस तथा बायोफ्यूल प्रजातियों का रोपण	वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण	25500		वृक्षारोपण –95 है0 अग्रिम मृदा कार्य –140 है वृक्षारोपण अनुरक्षण–654 है0	वृक्षारोपण –120 है0 अग्रिम मृदा कार्य –111 है0	वृक्षारोपण –75 है0 अग्रिम मृदा कार्य –155 है0 अनुरक्षण –54 है0	भविष्य में वनावरण में वृद्धि एवं वनों की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ–साथ पर्यावरण में सुधार होगा जिससे जल संरक्षण में वृद्धि होगी।	वृक्षारोपणों का पर्यावरण एवं फोरेस्ट कवर में दीर्घकालीन परिणाम परिलक्षित होते है अतः वर्तमान में किये गये वृक्षारोपणों का प्रभाव 10–15 वर्शो के बाद परिलक्षित होगा
औषधीय पौधों का संरक्षण, संवर्द्धन		5602	10000	वृक्षारोपण अनुरक्षण–160 है0 अग्रिम मृदा कार्य –410 है0 हर्बल गार्डन रखरखाव –04 भू0सं0कार्य–195 स0 वृक्षारोपण का रखरखाव–18 है0 अन्य कार्य ल0स0	वृक्षारोपण अनुरक्षण–50 है0 हर्बल गार्डन का अनुरक्षण–1 हर्बल गार्डन रखरखाव –02 वृक्षारोपण का रखरखाव–22 है0, अन्य कार्य ल0स0	वृक्षारोपण – 110 है0 अग्रिम मृदा कार्य –405 है0 भू0सं0कार्य–379 सं0 पौधालय स्थापना–1 हर्बल गार्डन सुदृढ़ीकरण कार्य–1 सं0 हर्बल गार्डन का अनुरक्षण–1 वृक्षारोपण अनुरक्षण–21 है0 पौधालय अनुरक्षण–16 सं0 सुरक्षा वाल फेसिंग कार्य–0.2 किमी0, रखरखाव कार्य–150 सं0 अन्य कार्य ल0स0		
बहुउददेशीय वृक्षारोपण एवं वनों का संरक्षण		122794	336001	वृक्षारोपण – 2441 है0 अग्रिम मृदाकार्य –80 है0 ए0एन0आर0 – 250 है0 भू0सं0कार्य – 1106 स0 चैक डेम निर्माणए–30 सं0 तारजाल निर्माण–35 सं0 तटबंध निर्माण– 10 स0 अन्य कार्य –ल0स0	वनीरकण–1431.86 है0 अग्रिम मृदा कार्य–3908.12 है0	वृक्षारोपण – 3721.67 है0 अग्रिम मृदाकार्य –5080 है0 वृक्षारोपण अनुरक्षण–4198.02 है0 ए0एन0आर0 – 230 है0 भू0सं0कार्य – 2758 स0 चैक डेम/चरी निर्माण–1010 सं0 कन्टूर ट्रैच निर्माण–270 अन्य कार्य –ल0स0		
वोमेन कम्पोनेन्ट के अन्तर्गत नर्सरी विकास कार्य		3970		नर्सरी पौध परिपालन–27 सं0 महिला पौधा0की स्थापना एवं अन्य कार्य ल0स0	नर्सरी पौध परिपालन–13 महिला पौधालयों की स्थापना–3	महिला पौधा0की स्थापना –ल0 स0, प्रषिक्षण–8 अन्य कार्य ल0स0		
ईको–टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण			45000	वृक्षारोपण –1600 है0 तथा फोर्स का अन्य प्रशासनिक व्यय	वनीकरण कार्य–400 है0	अग्रिम मृदा कार्य 400 है0 तथा फोर्स का अन्य प्रशासनिक व्यय		
बुग्यालों का संरक्षण एवं संवर्धन		22000		बंग्यालो में भू0सं0कार्य– 18 स0 क्यारी कोटी बुग्याल का अवरोधक	बंग्यालो में भू0सं0कार्य–20 स0	बुग्यालो में भू0 एवं जल सं0कार्य– 550 सं0		31–3–2022

				निर्माण–8 सं0 केदारनाथ बुग्याल अवरोधक बुग्याल–20 सं0 बुग्याल क्षेत्रों का अनुरक्षण –12 स0, मीडोज की सुरक्षा –4 स0 व्यू प्वाइन्ट –02 स0 अन्य कार्य –ल0स0	क्यारी कोटी बुग्याल का अवरोधक निर्माण–8 सं0 केदारनाथ बुग्याल अवरोधक बुग्याल–22 सं0 बुग्याल क्षेत्रों का अनुरक्षण –12 स0, मीडोज की सुरक्षा –5 स0 व्यू प्वाइन्ट –03 स0 अन्य कार्य –ल0स0	मीडोज की सुरक्षा –220 सं0 चैक डेम निर्माण–50 सं0 व्यू पंइन्ट –03 स0 हट/चहल निर्माण –210 स0 मीडोज व एल्पाइन ग्रास का रिप्रोडक्शन–20 सं0 बुग्यालों का संरक्षण, अन्य कार्य –ल0स0		
बागान		15000		पौध अनुरक्षण कार्य	पौध अनुरक्षण कार्य	पौध अनुरक्षण कार्य		
हमारा पेड़ हमारा धन		2100		पौध रोपण –23500 पौध	पौध रोपण –19033 पौध	पौध रोपण –7100 पौध	ग्रामीणों के माध्यम से खाली पड़ी भूमि में रोपण करवाने से भविश्य में आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीणो में वृक्षारोपण हेतु जागरुकता बढेगी।	वृक्षारोपणों के परिणाम दीर्घकालीन होते है पौध रोपण से भविश्य में पर्यावरण के साथ साथ ग्रामीणें की आय में वृद्धि होगी
हमारा स्कूल हमारा वृक्ष		3302		पौध रोपण–553050 सं0	पौध रोपण का लक्ष्य–338000 सं0	पौध उगान का लक्ष्य–590500 पौध, पौधालय का अनुरक्षण–560005 अन्य कार्य– ल0स0	पौध स्कूल के छात्रों को रोपण हेतु पौध उपलब्ध कराने से वृक्षो के प्रति जागरुकता उत्पन्न होगी।	भविश्य में छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता उत्पन्न होगी
वर्षा जल संरक्षण योजना		15000	10000	जलकुण्ड 250 घ0मी0–20 सं0 जलकुण्ड 100 घ0मी0–50 सं0 जलकुण्ड 50 घ0मी0–90 सं0 जलकुण्ड 20 घ0मी0–125 सं0 कन्टूर ट्रैंच–314 सं0 चाल–खाल निर्माण– 234 सं0 चैकडेम निर्माण–267 सं	जलकुण्ड 250 घ0मी0–18 सं0 जलकुण्ड 100 घ0मी0–49 सं0 जलकुण्ड 50 घ0मी0–84 सं0 जलकुण्ड 20 घ0मी0–120 सं0 जलकुण्ड 10 घ0मी0–85 सं0 कन्टूर ट्रैंच–221 सं0 पिरूल चैकडेम निर्माण–248 सं	जलाशय/जल कुन्ड/चालखाल –1200 स0, चहल निर्माण –75 स0 पिरूल/तारजाल चैक डेम निर्माण–800 सं0 कन्टूर ट्रेंच–690 है0 सूखे जल स्रोत रिचार्ज–86 सं0 भू0स0कार्य0–576 स0 अन्य कार्य–ल0स0	जलाशय, जल कुन्डो का निर्माण तथा जल स्रोतों का पुनरुद्वार करने से पर्वतीय क्षेत्रों में नमी रहने से वन्य जन्तुओ के साथ साथ ग्रामीणो को पानी उपलब्ध होगा।	परिणाम भविष्य में परिलक्षित होगे।
भू–क्षरण की रोकथाम		15000	10000	भूमि एवं जल संरक्षण कार्य–97 है0, स्पर एवं अवरोधक निर्माण कार्य–2, चालखाल निर्माण– 60, पिरूल/ड्राई चैकडेम निर्माण–250, अवरोधक निर्माण–25, चैक डेम निर्माण– 172, भू–क्षरण की रोकथाम सम्बन्धी विभिन्न कार्य	भू–क्षरण की रोकथाम सम्बन्धी विभिन्न कार्य	सुरक्षा दिवाल–95 भू जल संरक्षण कार्य–382 चैक डेम/क्रेटवायर निर्माण/चालखाल–2242 सं0 आर0आर0ड्राई चैकडेम–20 भू–क्षरण की रोकथाम सम्बन्धी विभिन्न कार्य	भू–क्षरण की रोकथाम हो सकेगी।	भू–क्षरण की रोकथाम हो सकेगी।
हरेला कार्यक्रम में पौध वितरण योजना		11000		पौध उगान– 689640 सं0	पौध उगान–376250सं0	पौध उगान– 304750 लाख सं0		

केन्द पोषित योजनायें								
राश्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (केन्द्र पोशित)		353600		भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।	वृक्षारोपण कर वनावरण में वृद्धि के साथ साथ वनो की गुणवत्ता बढेगी	वनावरण में वृद्धि होगी परिणाम भविश्य में प्राप्त होगे।
एनवायरनमेंट, फोरेस्ट्री एण्ड वाईल्ड लाईफ/नेशनल रीवर कन्जरवेंशन प्रोग्राम		30705						
राश्ट्रीय कृषि वानिकी एवं बास मिषन (केन्द्र पोशित)		128989			.	.		
	योग	754562	411001					

(3) वनों की सुरक्षा :–

योजना	योजना का उद्देष्य	निर्धारित आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
केन्द्र पोशित योजनायें				फायर लाईनों का रखरखाव–9977 कि0मी0, फायर वाचर–3440 सं0 कन्ट्रोल बर्निंग– 36000 है0, जलकुण्ड का निर्माण–670 परकुलेशन टेंक–61 सं0 मास्टर कन्ट्रोल रूम–1 चाल–खाल निर्माण–56 वाच टावर निर्माण –4 स0 कू स्टेशन रखरखाव –22 स0 ट्रेंच खुदान–41284 र0मी0 कन्टूर ट्रेंच निर्माण–1483 कन्टूर फर्रो का खुदान कार्य एवं बीज बुआन–18000 घ0मी0 अन्य कार्य –ल0स0	चाल–खाल निर्माण–236, कन्टूर ट्रैच निर्माण कार्य–902 है0, चैक डेम निर्माण–298, अवरोधक निर्माण–135 है0 250000 ली0 क्षमता वाले बॉडी निर्माण–19, 100000 ली0 क्षमता वाले बॉडी निर्माण–57, 50000 ली0 क्षमता वाले बॉडी निर्माण–114,20000 ली0 क्षमता वाले बॉडी निर्माण–467, फायर वाचर–2140 सं0, फायर लाईन मैनटेनेंस–947 किमी0 चेक पोस्ट/बेरियर का सुदृढीकरण–16 ट्रेंच खाई खुदान–8 किमी0 बाउन्ड्री पीलर	कन्ट्रोल बर्निंग– 161132.8 है0, क्रू स्टेशन निर्माण–31 सं0, क्रू स्टेशन रखरखाव–286 सं0, फायर वाचर–3393 सं0 वाच टावर निर्माण –9 स0 मोटर मार्गो के दोनो ओर कटना फुकान कार्य–95 किमी0 पैदल मार्गों के दोनो ओर कटान फुकान कार्य–117 किमी0 मास्टर कन्ट्रोल रूम का सुदृढ़ीकरण–8, बाउण्ड्री पीलर निर्माण–484 वाटर हॉल निर्माण–142 वाटर टेंक निर्माण –105 स0 अन्य कार्य –ल0स0	अग्नि दुर्धटनाओं से वन संम्पदा को कम क्षति विगत वर्शो की तुलना में अग्नि दुर्धटनाओं में कमी	31–3–2022
फोरेस्ट फायर प्रिवेंशन मेनेजमेन्ट	वनों की अग्नि से सुरक्षा, अतिक्रमण,अवैध षिकार, अवैध कटान तथा अवैध खनन में नियंन्त्रण	99442	8150					
राज्य सेक्टर योजनायें								
आरक्षित वनों की अग्नि से सुरक्षा		140826	5000					
सिविल/सोयम वन पंचायतों में अग्नि से सुरक्षा		50024						
वनों की सुरक्षा		36000	22133	चैक पोस्ट बैरियर सुदृढीकरण–31 सं0, चैक पोस्ट बैरियर निर्माण–1 बाउन्ड्री पिलर निर्माण –420 स0 बाउन्ड्री पिलर सुदृढीकरण		संवेदनषील क्षेत्रों में बाउण्ड्रीवाल निर्माण– 1305 किमी0 संवेदनषील क्षेत्रों में वृक्षारोपण–100 है0, चेक पोस्ट/वैरियर का	वनों की सुरक्षा जैसे अतिक्रमण अवैध कटान, अवैध षिकार में विगत वर्शो के सापेक्ष नियन्त्रण करना	

				–500 स0, पेट्रोलिंग मार्गो का रखरखाव–258 किमी0 बाउण्ड्री पीलर मरम्मत–675 वनीकरण–97 है0 ट्रेंच खाई खुदान–14 किमी0 आशारोड़ी रेंज के अन्तर्गत मोहब्बेवाला क.सं. 3ए में पिपलेश्वर मन्दिर के पास कांटेदार तारबाड़ कार्य–76 मी0	सुदृढ़ीकरण–200, पेट्रोलिंग मार्गा का रख–रखाव–116 किमी0 बाउन्ड्री पीलर मरम्मत–426 सं0	सुदृढ़ीकरण–251 सं0 बाउन्ड्री पीलर निर्माण –368 स0 पेट्रोलिंग मार्गों का रखरखाव–325 किमी0 बाउण्ड्री पीलर मरम्मत–1520 सं0 क्षतिग्रस्त दीवाल की मरम्मत–517 सं0, वृक्षारोपण अनुरक्षण–280 है0 खाईयों का नवीनीकरण–27		
सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण		1700		सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र से सम्बन्धित विभिन्न कार्य किये जाते है।	सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र से सम्बन्धित विभिन्न कार्य किये जाते है।	सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण एवं जी0आई0एस0 यूनिट का रखरखाव –01 स0	सूचना प्रौघोगिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण एवं अग्नि दुर्धटनाओं के जी.आई.एस.माध्यम से ज्ञात कर तत्काल कार्यवाही	
वन बंदोबस्त		1600						31–3–2022
इमारती लकड़ी कोयला तथा अन्य अभिकरण द्वारा निकाली गई वन उपज		10000						31–3–2022
	योग	339592	35283					

(4) ईकोटूरिज्म :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजना								
ईको–टूरिज्म योजना	ईकोटूरिज्म के माध्यम से पर्यटन को बढ़ाना एवं राजस्व वृद्धि।	25214	10000	देवलसारी में धनौल्टी की तर्ज पर ईको पार्क का निर्माण–1, मायावती (लोहाघाट फॉरेस्ट रेंज) फॉरेस्ट में टूरिज्म हट/रिसोर्ट का निर्माण कार्य–1, देवीधूरा/वालिक (देवीधूरा फॉरेस्ट रेंज) फॉरेस्ट में टूरिज्म हट/रिजार्टस का निर्माण–1 ईको पार्क की स्थापना–1 सं0, ट्रेकिंग रूट का निर्माण–4 सं0 ईको पार्को की स्थापना–1, वन विश्राम भवन की मरम्मत–1	फॉटो वन परिसर में बौरवैल, झाझरा में नगर वन के अन्तर्गत विविध कार्य, रौसलीखाल में पारिस्थितिकीय पर्यटन के उद्देश्य से पूर्व निर्मित संरचनाओं का विस्तार (मड हाउस निर्माण), ईको सेन्टरों का विकास– 4 सं0, ईको पार्क की स्थापना–2 सं0, ट्रेकिंग रूट का निर्माण–6 सं0 वन विश्राम भवन की मरम्मत–3	ट्रेकिंग रूट/वन मोटर मार्ग/ब्राइडल पाथों का जीर्णोद्धार– 127 किमी0 वन विश्राम भवनों का रखरखाव–94 ट्रेकिंग मार्ग मरम्मत–40 किमी0 पर्यटन हब विकास–75 सं0 पार्क के अन्दर षौचालय निर्माण–10 सं0, पार्क के अन्दर छतरियों का निर्माण–8 सं0, पार्क के अन्दर कूडादान का निर्माण–30 सं0 गंगा वाटिका का अनुरक्षण–2 शोभास्थली निर्माण कार्य–2 अन्य कार्य – ल0स0	पर्यटकों की संख्या में वृद्धि कर राजस्व में वृद्धि के साथ–साथ जनता में जैवविधिता के प्रति आकर्शण होगा। रोजगार के अवसरों में वृद्धि कराना।	31–3–2022
पारिस्थितिकीय पर्यटन निगम		-	-	–	–	–		
ग्रामीण ईको–पर्यटन योजना		350		–	–	–		
	योग	25564	10000					

(5) वन्य जीव प्रबन्ध तथा पार्को एवं पक्षी विहारों का विकास

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
जीवों के वास स्थलों का विकास	वन्यजीवों के वास स्थलों का सुघार तथा वन्य जीवों का संरक्षण	25100	5000	ए0एन0आर0–229 है0 लैन्टाना उन्मूलन–1801 है0 झिलमिल झील में वाटर होल मरम्मत–3 सं0, वन मोटर मागों का रखरखाव सुरक्षा हेतु पैट्रालिंग, हल्द्वानी में जू का निर्माण मृदा एवं जल संरक्षण कार्य–ल0सं0 है0	पूर्व के वर्षों में किये गये लैण्टाना उन्मूलन कार्य का अनुरक्षण–303 है0 लैण्टाना आदि/कालाबास उन्मूलन–132 है0, जलाशय के चारों ओर फ्लेट एंगिल आयरन तथा 10 गेज वेल्डेर वायर मेंस में सुरक्षा रेलिंग निर्माण कार्य–0.3 किमी0, भूमि एवं जल संरक्षण कार्य–55 है0 जलकुण्ड निर्माण,	लैण्टाना उन्मूलन कर चारा/घास रोपण– 370 है0 मगरमच्छों के वास स्थल का विकास कर संरक्षण केन्द्र की स्थापना–1 वाटर हॉल निर्माण–112 जल कुण्ड निर्माण– 110 लैण्टाना आदि अनावश्यक वीड उन्मूलन–1720 है0 पूर्व वर्षों में किये गये लैण्टाना उन्मूलन का अनुरक्षण– 1053 है0	वन्यजीवो के वास स्थल में सुधार होने पर वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि। वर्श 2008 की गणना में बाघों की संख्या 164 थी जो वर्श 2010 में बढ़कर 226 हो गयी है। नवीनतम गणना के आधार पर वर्तमान में बाधों की संख्या 340 हो गयी है। उत्तराखण्ड में हाथियो की संख्या में भी वृद्धि हुई है वर्तमान में प्रदेष में कुल 1797 हाथी है। इससे परिलक्षित होता है कि वास स्थल सुधार से वन्य जन्तुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। जनता में वन्यजीवो के प्रति ब उत्पन्न होगा।	वास स्थलों में सुधार के परिणाम दीर्ध कालिक होते है जिसका परिणाम आगामी वर्शो में परिलक्षित होगा।
हल्द्वानी में जू निर्माण			1	क्रियेषन ऑफ विलेज लेवल एलीफेन्ट स्क्वेड–08, क्रियेषन ऑफ लार्ज वाटर बाडीज–06, वाटर होल निर्माण–30 सं0, लैण्टाना अनावश्यक वीड उन्नमूलन–570 है0 कालागढ़ हाथी कैम्प में दीवाल निर्माण–400मी0 सोलर फेसिग रखरखाव, एन्टीपोचिग दस्ता, फायर लाईनो का रखरखाव–400 किमी., कन्ट्रोल बर्निंग, परक्यूलेसन टैंक एण्ड कंटूर ट्रैंच–40 सं0 पैदल मार्गों का जीर्णोद्धार–12 किमी0, सुअररोधी फेसिंग निर्माण–2 किमी0, पेट्रालिंग हेतु वाचरों की व्यवस्था–12,		हल्द्वानी जू निर्माण (आंषिक) – 01		
वन्यजन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास		43200	10000		प्राकृतिक वास स्थालो के निकट जलकुण्ड बनाना–14 सं0 भूमि सरक्षण कार्य–245 सं0, तलाबों का निर्माण–15, लैण्टाना आदि अनावश्यक वीड उन्मूलन– 510 है0, वाटर होल निर्माण–15 सं0, वन चेतना केन्द्र अपग्रेडशन–2, पर्यटन केन्द्रो का विकास–2 सं0, मड फलैट निर्माण–4, पर्यटन केन्द्रो का रखरखाव–3 सं0, वन चेतना केन्द्र रखरखाव–2, वाच टावरों का रखरखाव/सुद्ढीकरण–4	वन चेतना केन्द्र का विकास–3 वन चेतना केन्द्र का अपग्रेडेशन–2 वाटर हॉल/भूमि संरक्षण–64 पर्यटक केन्द्रों का रखरखाव–12 वाच टावर रखरखाव–8 नेचर इन्टरपिटेशन सेन्टर रखरखाव–12 7 बाघों हेतु मीट, अन्य कार्य – ल0स0		
मालसी मिनी जू का विस्तारीकरण एवं सुद्ढ़ीकरण			5000		Maintenance of	मालसी''जू''सुद्ढीकरण एवं उसमें रखे जानवरों का रखरखाव		
जगली सूअरों के आखेट हेतु कारतूसों का वितरण		2				As per incident		
वाइल्डलाईफ बोर्ड को सहायता		15000				वाईल्ड लाईफ बोर्ड को सहायता		
केन्द्र पोषित योजनायें								
नन्दादेवी बायोस्फेयर रिजर्व की स्थापना		33001	40200			नन्दादेवी बायोस्फियर रिजर्व का रखरखाव एवं विकास		

				एंटीपोचिंग गश्त–12 मड फ्लेट–4, वन चेतना केन्द्र का रखरखाव–15, झील में बहने वाले नालों का रखरखाव–20 वाच टावर–02 सं0, प्रषिक्षण–लम.सम, चौरासी कुटिया में इन्टरप्रिटेसन सेन्टर का विकास– 01 स0, हाथीखाने का निर्माण, Firest & second year removalof Lantana-280 km. Long patrolling 7 short patrolling 72 Nos @ 0.25 per-70 Soft release, creation of Road Networks-160 km. Removal of gregarious plant groth from grassland-100 ha. enclosure power fence, creation of waterhole inside the enclosure, habitat improvement work and CCTV for monitoring (Enclosure enforced with power fence and maintenance)]	Solar Fencing @ Rs. 0.01 Per Mtr-400, Weed eradication & habitat improvement 100 hc. / 0.055 lakhs for 2nd year-80, Dirkinking water facility in Forest Guard chowki/Range Qtr.-11, Removal of gregarious plant growth from grassland-25ha, Creation of Road Networks-63km, Deployment of Antipoaching squads-163n, (a) Solar fencing-1400 mtr, Procurement of field gear, night vision devices etc-2435, Fortnightly long term joint patrols-300 n	कार्य –01		
प्रोजेक्ट एलीफेन्ट		63703	25200			राजाजी पार्क एवं अन्य क्षेत्रों में हाथी के विकास स्थलों में सुधार कार्य		
प्रोजेक्ट टाईगर		302142	50250			प्रदेश के 02 टाईगर रिजर्वों का रखरखाव		
इन्ट्रीग्रेटेड डेवलपमेन्ट ऑफ वाईल्ड लाईफ हेबीटेट		147001	30151			वाईल्ड लाईफ सेन्चुरियों/पार्क में वन्य जन्तु के वास स्थलों का विकास एवं रखरखाव		
कार्बेट एवं राजाजी टाईगर रिजर्व का संरक्षण एवं विकास		120000						
पक्षियों का संरक्षण एवं उनके वास स्थलों का विकास		1300						
गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान में हिम तेन्दुयें का संरक्षण		2200						
	योग	752649	165802					

(6) अवस्थापना विकास (भवन तथा सड़के)

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वन मोटर मार्गों तथा अश्व मार्गो का सुदृढ़ीकरण	वन मोटर मार्गो, अश्वमार्गो का सुदृढ़ीकरण एवं कर्मचारियों हेतु आवासो की व्यवस्था	80000	35001	वन मार्गों का सुदृढीकरण – 195 किमी0, पैदल मार्ग सुदृढ़ीकरण–63 किमी0, वन मोटर/पैदल मार्ग अनुरक्षण/मरम्मत/रखरखाव–1071 किमी0 आवासीय भवनों का जीर्णोद्धार–19, भवन सुदृढ़ीकरण–4, सुरक्षा दीवाल निर्माण, चौकियों का जीर्णाद्धार–06 स0	विभिन्न वन मोटर मार्गों की मरम्मत कार्य–65 किमी0 पैदल मार्ग सुदृढ़ीकरण– 56 किमी0 विभिन्न मुख्यमंत्री जी की घोषणा हेतु किय गये कार्य–45 किमी0 वन मोटर/पैदल मार्ग अनुरक्षण/मरम्मत /रखरखाव– 285किमी0 आवासीय/अनावासीय भवनों का जीणेद्वार, विभिन्न राजकीय आवासीय भवनों की मरम्मत	वन मोटर मार्गो का सुदृढीकरण – 1344.34 कि0मी0 पैदल मार्ग/अश्वमार्गो का जीणोद्धार– 94 कि0मी0 वन मोटर मार्गों का रखरखाव–1798.2 किमी0, वन पैदल मार्गों का रखरखाव–496. 82 किमी0 पुलिया/काजवे/ब्रस्टवाल निर्माण– 23 सं0 आवासीय भवन निर्माण– 28 स0 विभिन्नों रेजों में भवन मरम्मत– 15 आवासीय/अनावासीय भवनों का रखरखाव–97, वन रक्षक चौकी निर्माण– 01 भवनों में बिजली एवं पानी संयोजन – 25 सं0	वन मोटर मार्गो एवं अश्वमार्गो के रखरखाव से विभाग को वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में सहायता, वन निगम द्वारा वन उपज की निकासी में सहायक एवं वनों के नजदीक निवास करने वाले ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो रही है।	31–3–2022
वन विभाग के आवासीय/ अनावासीय भवनो का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण		9000	30000					31–3–2022
वन संचार साधन–पुल, टेलीफोन तथा भवन		20000						31–3–2022
उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन		323						31–3–2022
	योग	109323	65001					

(7) रिसर्च एवं टेक्नोलोजी :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डवलपमेन्ट	अनुसंधान के माध्यम से वानिकी का विकास	10230	5000	नर्सरी विकास एवं पौध उत्पादन–79485 पौध, सांख्यकीय प्लाटों का मापन–23, वृक्षारोपण एवं प्रयोगिक क्षेत्रों का रखरखाव–8, लालकुआ में शीशम सर्पगंधा एवं सतावर बीज उधान प्रयोग क्षेत्र में अनुरक्षण कार्य, लालकुआ टांडा 20 में बैम्बू सैटम में विविध अनु0 कार्य, सीड स्टोर भवनों की मरम्मत व जीर्णोद्धार/सीड स्टोर भवन की मरम्मत रंगाई पुताई–12, एस0पी0ए0/एस0एस0पी0ए0/बीज गाटा/सी0एम0ए0 की स्थापना–1	नर्सरी विकास एवं पोध उत्पादन–66485 सं0 सांख्यकीय प्लाटों का मापन–14 सं0 वृक्षारोपण एवं प्रायोगिक क्षेत्रों का रखरखाव–2 सं0, वृक्षारोपण एवं प्रायोगिक क्षेत्रों का स्थापना–2 सं0	विभिन्न वानिकी अनुसंधानों के माध्यम से वानिकी तथा वन्य जीवों के वास स्थल सुधार करने हेतु नवीनतम तकनीकी का प्रयोग किया जाना।	अनुसंधान के परिणामों के आधार पर वनों एवं वन्यजीवों का विकास	आगामी वर्षो में परिणाम परिलक्षित होगे
	योग	**10230**	**5000**					

(8) वन पंचायतो का सुदृढीकरण :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वन पंचायतों का सुदृढ़ीकरण	प्रदेष की 12,089 वन पंचायतों को चरणबद्ध रुप से सुदृढ़ीकरण करना	18232	20236	वनीकरण – 81 है0 अग्रिम मृदा कार्य–65 है0, अनुरक्षण–179 है0 वर्शा जल संरक्षण कार्य – 32 सं0 लघु अभियान्त्रिकी कार्य–16 स0, बाउन्ड्रपिलर मरममत–323 स0, पैदल मार्ग मरममत–4 कि0मी0	वनीकरण – 131 है0 लघु निर्माण कार्य–451 सं0	वृक्षारोपण –246 है0 अ0मृ0कार्य –135 है0 चारागाह विकास– 75 है0 भू0सं0कार्य0 –1374 स0 बाउन्ड्री पिलर निर्माण –325 स0 पैदल मार्ग – 85 कि0मी0 वनीकरण अनुरक्षण–105 है0 लैण्टाना उन्मूलन–150 है0	वन पंचायतों में जारुकता वृद्धि जिससे वन पंचायते वनो की सुरक्षा में रुचि उत्पन्न हो रही है तथा वन पंचायतें वनों के प्रति जागरुक हो रही है।	आगामी वर्शों में बजट की उपलब्धता पर
	योग	**18232**	**20236**					

(9) पुर्नवास तथा कल्याणकारी कार्यक्रम :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
जंगली जानवरों द्वारा सरकारी कर्मचारियों या जनता की जान–माल नुकसान पर क्षतिपूर्ति	जंगली जानवरों द्वारा जान–माल की क्षतिपूर्ति हेतु अनुग्रह राषि, गूजरों के पुर्नवास हेतु कल्याणकारी कार्य, वन्यजीवों से खेती सुरक्षा तथा मानव–वन्यजीव संघर्श रोकथाम आदि	30000		मानव क्षति पशु क्षति भवन क्षति एवं फसल क्षति के मामलों का निस्तारण किया गया।	मानव क्षति पषु क्षति भवन क्षति एवं फसल क्षति के मामलों का निस्तारण किया गया।	As per insidence	जान–माल नुकसान की क्षतिपूर्ति	31–3–2022
मुठभेड़ में मृत्यु होने तथा शासकीय कार्यों हेतु वनाधिकारियों/कर्मचारियों को सहायता/पुरुस्कार		100212		As per incident	As per insidence	As per insidence	वनाधिकारियों/कर्मचारियों को पुरुस्कृत करना	31–3–2022
गूजर एवं अन्य प्रभावित पुर्नवास योजना		8500		पुनर्वासित गूजर बस्तियों में अवस्थापना विकास सम्बन्धी कार्य एवं उनका रखरखाव तथा पुनर्वास सम्बन्धी अन्य विविध व्यय	सिचाई हेतु नलकूप–6 शौचालय/बाथरूम निर्माण–3, मुख्य सम्पर्क मार्ग पर पत्थर बिछाना व डामरीकरण–3 किमी0, विद्युतीकरण एवं पुनर्वासित गूजर बस्तियों में अवस्थापना विकास सम्बन्धी कार्य एवं उनका रखरखाव तथा पुनर्वास सम्बन्धी अन्य विविध व्यय	कैटल शैड का निर्माण–2, बाउण्ड्री पीलर निर्माण–14 ट्यूबवैल मेन्टनेंस–3 पुनर्वासित गूजर बस्तियों में अवस्थापना विकास सम्बन्धी कार्य एवं उनका रखरखाव तथा पुनर्वास सम्बन्धी अन्य विविध व्यय	गूजरों का विस्थापन एवं गूजर बस्तियों में सुविधा उपलब्ध कराना तथा सुरक्षा के लिये लाभ होगा।	31–3–2022
मानव–वन्यजीव संघर्श रोकथाम योजना		40500	30000	एलीफेंट प्रूफ ट्रेंच–34.40 किमी0, सोलर फेसिंग मरम्मत–20.20 किमी0, हाथी रोधी खाईयों का नवीनीकरण–24.89 किमी0 हाथी सुरक्षा दीवाल/खाई का अनुरक्षण–13 कि0मी0	सोलर फेसिंग निर्माण–9.5 किमी0, एलीफेन्ट प्रूफ ट्रैंच–1.3 किमी0, शिवराज वीट के अन्तर्गत तुमडिया रेंविस एवं ग्राम शिवराजपुर की सीमा पर सुरक्षा खाई खुदान कार्य–0.75 किमी0, जलाशय की सुरक्षा हेतु दीवार निर्माण कार्य– 2 घ0मी0, सोलर लाईट लगाना–20, सोलर फेसिंग मरम्मत कार्य–22.26 किमी0 एलीफेंट प्रूफ ट्रैंच मरम्मत–7 किमी0 हाथी सुरक्षा दीवाल/खाई का अनुरक्षण कार्य–5 किमी0	एलीफेंट प्रूफ ट्रैंच निर्माण–11.5 किमी0 एलीफेंट प्रूफ वाल निर्माण–3 किमी0 खाई खुदान–5 कि0मी0 सोलर फैसिग– 8 कि0मी0 सोलर फैसिग मरम्मत– 10 कि0मी0 हेबीटेट इम्प्रूवमेन्ट/लैण्टाना आदि अनावश्यक वीड उन्मूलन –524 है0 चाल–खाल एवं जल संरक्षण–60 सं0 खाई खुदान– 22 कि0मी0	मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में विगत वर्शे की तुलना में कमी आयी है।	परिणाम भविश्य में परिलक्षित होगे।

						मुआवजा वितरण –ल0स0 अन्य कार्य – ल0स0		
मानव–वानर संघर्श न्यूनीकरण योजना		24092	10000	20028 उत्पाती बन्दरो के पकडकर दूरस्थ जंगलो में छोडा जाना, 16762 बन्दरों का बन्ध्याकरण, चिडियापुर बान्याकरण केन्द्र का रखरखाव	12578 उत्पाती बन्दरो को पकडकर दूरस्थ जंगलो में छोडा जाना 9782 बन्दरों का बन्ध्याकरण किया गया।	उत्पाती बन्दरों का बान्ध्याकरण हेतु केन्द का निर्माण एवं रखरखाव – 4 स0 बन्दरों को पकडकर दूरस्थ वनों में छोडना बाड़ा निर्माण–2	उत्पाती बन्दरो से जनता को निजात दिलाना	परिणाम भविश्य में परिलक्षित होगे।
मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड राज्य वन्यजीवों से खेती सुरक्षा योजना			20000	सुअर रोधी दीवार निर्माण–18.076 किमी0 खेती सुरक्षा हेतु दीवाल निर्माण–1.27 किमी0 सोलर फेंसिग कार्य–8.50 किमी0, हाथी सुरक्षा खाई खुदान–17.44 किमी0	ग्राम विनगढ़ में नागनाथ रिजर्व क0 01 मुनार न0 90 से 95 तक दीवार निर्माण कार्य–1755 मी0 ग्राम देवस्थान में नागनाथ रिजर्व क0न0 01 के कावेरी गधेरे से बगरधार–सनतों तोक जयडुगरा दिवार निर्माण कार्य–1965 मी0, मसूरी वन प्रभाग के देवलसारी राजि के ग्राम ठिक्क के अन्तर्गत वन्यजीवों से खेती सुरक्षा हेतु दीवार निर्माण–1100 मी0, ग्राम चिलौण्ड के अन्तर्गत सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य–1850 मी0 सुरक्षा दीवार निर्माण– 2100 मी0	जंगली सुअररोधी दीवाल निर्माण–25 किमी0, हाथी/नील गाय रोधी–10 कि0मी0, सोलर फेसिंग–4 किमी0, लैण्टाना एवं अनावश्यक वीड उन्मूलन–520 है0 अन्य कार्य –ल0स0	अभी योजना प्रारम्भ हुई है जिसके सार्थक परिणम प्राप्त हो रहे है।	
राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाग निर्धारण प्राधिकरण को सहायता		5500	-	निदेषालय का गठन किया जाना है	निदेशालय का गठन किया जाना है	जन जागरुकता एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरण निदेषालय का गठन किया जाना	पर्यावरण निदेषालय का गठन होने से पर्यावरण के प्रति जागरुकता उत्पन्न होगी	
राज्य जलवायु परिवर्तन केन्द्र			-	Sustainable Development Goal . 13 के परिणामों को प्राप्त करना है, जिससे राज्य के विज़न 2030 के उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चत हो सके।	Sustainable Development Goal . 13 के परिणामों को प्राप्त करना है, जिससे राज्य के विज़न 2030 के उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चत हो सके।	Sustainable Development Goal - 13 के परिणामों को प्राप्त करना है, जिससे राज्य के विज़न 2030 के उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चत हो सके।	Sustainable Development Goal - 13 के परिणामों को प्राप्त करना है, जिससे राज्य के विज़न 2030 के उद्देश्यों की प्राप्ति होगी।	
	योग	208804	60000					

(10) उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (बाह्य सहायतित योजना) :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
ई0ए0पी0 योजनाये								
उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (जायका पोशित)	वनो के आसपास क्षेत्रों के गांव वालो की आजीविका में सुधार एवं आय में वृद्धि कर वनों पर निर्भरता कम करना	1100001	1	Plantation- 2464 ha ASW – 10279 ha Microplan – 165 No Distribution of plants– 2874 No.	Eco restoration ERM-1933 ha. Plantation/Eco restoration- 3268.88 ha, ASW – 2923 ha Chal-khal-201 Microplan – 150 No Walnut plants–11000 No.	वृक्षारोपण क्षेत्रों का सर्वे एवं डिमार्केशन, अवांछित वीड उन्मूलन, सिल्वीकल्चर एक्टीविटी, अग्रिम मृदा कार्य, नर्सरी कार्य, आधुनिक नर्सरी का तैयार करना, चाल–खाल, तालाबों का सुदृढ़ीकरण, जैव विविधता के संरक्षण हेतु ग्राम का चयन, एवं उनका क्षमता विकास, भू–क्षरण रोकथाम कार्य	वन पंचायतो में आजीविका के साधन उपलब्ध होने के साथ साथ पंचयतों में वनावरण में वृद्धि होगी	परिणाम आगामी वर्शो में परिलक्षित होगे
राज्य सेक्टर योजनाये								
आई0टी0 पार्क देहरादून में एन0टी0एफ0पी0 सेन्टर आफ एक्सीलेन्स का निर्माण			18000	–	–	एन0टी0एफ0पी0 सेन्टर आफ एक्सीलेन्स का निर्माण		
	योग	1100001	18001					

(10) कैम्पा के अन्तर्गत :–

योजना	योजना का उद्देश्य	स्वीकृत आउट ले (रू0 हजार में)		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
प्रतिपूरक वनीकरण, अतिरिक्त पतिपूरक वनीकरा, दंडित प्रतिपूरक वनीरकण त्था मृदा एवं जल संरक्षण	क्षतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया जायेगा	750000		–	–	क्षतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया जायेगा		आगामी वर्शो में परिणाम परिलक्षित होगे
कैम्पा के अन्तर्गत वन भूमि का निवल वर्तमान मूल्य एवं दंडित वन भूमि का बिल		1200000	-	–	–			
कैम्पा के अन्तर्गत कैट प्लान (जलाशय क्षेत्र उपचार)		600000	–	–	–	कैट प्लान से सम्बन्धित कार्य		
कैम्पा के अन्तर्गत समेकित जल एवं भूमि प्रबन्धन कार्यक्रम		50000	–	–	–	जल एवं भूमि संरक्षण किये जायेंगे		
कैम्पा से अर्जित ब्याज से व्यय		200000						
कैम्पा के अन्तर्गत अन्य वृक्षारोपण, सुरक्षित क्षत्र विकास, वृक्षों का पातन चार दीवारी		150000	–	–	–	वृक्षारोपण, वृक्षों का पातन, चार दीवारी आदि कार्य किये जायेगे।		
	योग	2950000	-					
	महा योग	**11572534**	**754323**					
	कुल योग	**12326857**						